ओ शेरावाली माँ,
क्या खेल रचाया है,
तू प्यार का सागर है,
तू मन का किनारा है,
ओ शेरावाली मां,
क्या खेल रचाया है।।

तर्ज होंठो से छु लो तुम।

देखि है तेरी दुनिया,
क्या रचना रचाई है,
दिन रात के चक्कर में,
कुछ समझ ना आई है,
हर पल जो बीत रहा,
माँ तेरा ईशारा है,
ओ शेरावाली मां,
क्या खेल रचाया है।।

महलों में भी दु:ख देखे,
और सड़को पे खुशहाली,
कोई राजा है किस्मत का,
कोई किस्मत से खाली,
सब तेरी लीला है,
सब तेरा फ़साना है,
ओ शेरावाली मां,

क्या खेल रचाया है।।

कोई फूलों पे सो ना सके,
कोई कांटो में हँसता है,
कही मौत हुई सस्ती,
कही जीवन महंगा है,
कोई खुशियों में डूबा है,
कोई गम का मारा है,
ओ शेरावाली मां,
क्या खेल रचाया है।।

कोई जन्म से पहले मरे,
कोई मर के भी जीता है,
कोई घाव लगाता है,
कोई जख्मों को सीता है,
ये कैसी हकीकत है,
ये कैसा नजारा है,
ओ शेरावाली मां,
क्या खेल रचाया है।।

कोई दु:ख को सुख समझे,
कोई सुख में भी रोता है,
आशा और तृष्णा का,
कभी अंत ना होता है,
इस भूल भुलैया में,
पड़ा दास बेचारा है,
Bhajan Diary Lyrics,
ओ शेरावाली मां,

क्या खेल रचाया है।।

ओ शेरावाली माँ,
क्या खेल रचाया है,
तू प्यार का सागर है,
तू मन का किनारा है,
ओ शेरावाली मां,
क्या खेल रचाया है।।

Singer Saurabh Madhukar

Source: https://www.bharattemples.com/o-sherawali-maa-kya-khel-rachaya-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw